

खबर संक्षेप

अनुसूचित जनजाति के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की नुपत कोचिंग: 17 अगस्त तक करें आवेदन

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों हेतु नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों से संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत निर्धारित 100 विद्यार्थियों का चयन स्क्रീनिंग परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी एमपी ऑनलाईन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की आवेदन की अंतिम तिथि 17 अगस्त तथा स्क्रीनिंग परीक्षा तिथि 23 अगस्त, परीक्षा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक तथा परीक्षा केंद्र भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं शहडोल निर्धारित की जाएगी। प्रवेश पत्र 20 अगस्त के बाद एमपी ऑनलाईन से डाऊनलोड कर सकेंगे। योजना की विस्तृत नियमावली और पात्रता की शर्तें जनजातीय कार्य विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी अपने जिला/संभागीय कार्यालयों से भी संपर्क कर सकते हैं।

मृतक के परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

मण्डला। ग्राम पुरवा निवासी सुरेंद्र चौधरी की 13 मई 2026 को नर्मदा नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला द्वारा मृतक की निकटतम वारसान पत्नी श्रीमती ग्यारसी बाई को प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि शासन के प्रावधानों के अनुसार प्रदान की जाएगी।

जांच के नाम पर जिला पंचायत में समझौता या सौदा ?

मण्डला। जिले की पंचायतों में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर लगातार शिकायतें मिलती हैं फिर वे शिकायतें या तो शिकायतकर्ता जिला कलेक्टर को सौंपते हैं या फिर जनसुनवाई में आकर देते हैं। इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर जिला प्रशासन इसकी जांच के लिये जिला पंचायत को अवगत कराता है और जिला पंचायत से जांच दल गठित हो संबंधित शिकायत की जांच की जाती है। जांच दल गठित करते समय यह तो उल्लेखित किया जाता है कि इतनी समय-सीमा के अंदर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा लेकिन क्या इस पर अमल हो पा रहा है या नहीं। जिला पंचायत द्वारा जो जांच दल गठित किये जाते हैं और जांच आदेश जारी होते हैं क्या उनकी कभी समीक्षा भी की जाती है अथवा नहीं? ऐसे अनेकों उदाहरण हैं कि जिला पंचायत द्वारा जांच की बात तो की गई लेकिन पूरा मामला ठण्डे बस्ते में चला गया जिन मामलों में लगातार शिकायत होती रहती है उन्हीं मामलों में थोड़ी बहुत जांच की औपचारिकता निभाई जाती है। हाल ही में लगभग 25 लाख रुपये के ऐसे भुगतान जो कि संदेह के घेरे में रहे हैं की शिकायत ग्राम पंचायत पटवारा रैयत की चर्चा में आई जिसको लेकर जिला पंचायत द्वारा जांच दल का गठन किया गया एक हफ्ते की समय-सीमा निर्धारित की गई लेकिन 25 दिनों बाद भी जांच दल ग्राम पंचायत नहीं पहुंचा। इसी तरह आईएसएस द्वारा कराये गये निर्माण कार्यों की जांच का आदेश एक वर्ष पूर्व जारी हुआ था आज तक क्या जांच हुई किसी को कुछ पता नहीं।

बैठक

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने की संगठन के कामों की सराहना।

संभाग प्रभारी ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक



* तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान का अभियान।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार में 9 से 15 अगस्त तक आयोजित किये जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को मंडला में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी राहुल कोठारी, प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उड़के शामिल

रही।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा जिला कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। तत्पश्चात भाजपा कार्यालय में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा के जिला अध्यक्षों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हर घर तिरंगा अभियान, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, संत रविदास जयंती वर्ष सहित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने मंडला

जिले में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस दौरान दौरान प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उड़के ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देशभर में तिरंगा यात्रा एवं हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा केवल हमारे देश की पहचान नहीं है, बल्कि हमें अपने कर्तव्यों और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों की याद भी दिलाता है। देश की आन, बान और शान के

लिए हमारे असंख्य वीर सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। मंडला की धरती के वीर शहीदों का भी देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी राहुल कोठारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव व्यक्त करने का अभियान है। उन्होंने मंडला जिले में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सामूहिक प्रयासों से संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल

मिश्रा ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक घर तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिकों का उत्साह यह दर्शाता है कि मंडला की जनता के दिल में देश के प्रति गहरा सम्मान और प्रेम है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में पार्टी के निर्देशानुसार सभी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आयोजित किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं।

वीर शहीदों के बलिदान को नमन करने का अवसर: मंत्री श्रीमती उड़के

तिरंगा यात्रा में उमड़े मंडला के राष्ट्रप्रेमी



* राष्ट्रप्रेम और शहीदों के सम्मान से गूंजा शहर।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान अंतर्गत मंडला में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में राष्ट्रप्रेम का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। तिरंगे के सम्मान में पूरा मंडला उमड़ पड़ा। जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहुंचे। हाथों में तिरंगा और हृदय में देशभक्ति का भाव लिए नागरिकों ने एक स्वर में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पुलिस ग्राउंड से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और

बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता की। यात्रा के दौरान राष्ट्रगीत, देशभक्ति के गीतों और नारों की गूंज से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा। तिरंगा यात्रा के दौरान जनजातीय संस्कृति की मनोहारी झलक भी देखने को मिली, जिसने आयोजन की गरिमा और उत्साह को और बढ़ाया।

आजादी के लिए जीवन न्यौछावर करने वाले वीरों को नमन

इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उड़के ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह तिरंगा हमें उन वीर शहीदों के त्याग, तपस्या और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। स्वतंत्रता हमें असंख्य वीरों के संघर्ष और

बलिदान से प्राप्त हुई है। आज का दिन देश के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को उजागर करने का दिन है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के त्याग और राष्ट्रभक्ति की भावना से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। तिरंगे का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का गौरव और दायित्व है। आज मंडला की सड़कों पर उमड़ा जनसेलाब यह संदेश दे रहा है कि देश के प्रति प्रेम और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रत्येक नागरिक के मन में गहराई से विद्यमान है।

उन्होंने तिरंगा यात्रा में शामिल सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का दूर-दूर से पहुंचना मंडला की राष्ट्रभक्ति और एकजुटता को दर्शाता है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी से राष्ट्र की एकता, अखंडता और

संप्रभुता को मजबूत करने तथा देश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा मार्ग तिरंगों से सजा नजर आया। बड़ी संख्या में नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय, वंदे मातरम सहित देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। यात्रा में शामिल लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। युवाओं और विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

शहीद उदयचंद जैन की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

तिरंगा यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए उदय चौक पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। उदय चौक पहुंचने पर वीर शहीद

उदयचंद जैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। उपस्थित नागरिकों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ। राष्ट्रगान के दौरान सभी उपस्थित नागरिकों ने सम्मानपूर्वक खड़े होकर राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, कलेक्टर राहुल नामदेव थोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, एसपी शिवकुमार वर्मा, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम एवं अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

5 हजार की रिश्तत लेते पकड़ाया बाबू



* बीईओ कार्यालय में लोकायुक्त की कार्रवाई, गर्ल्स हॉस्टल चपरासी से लिए पैसे।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मंडला जिले के नारायणगंज विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय में लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई की। टीम ने सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी नोखेलाल बेलिया को 5 हजार रुपए की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

लोकायुक्त जबलपुर की उप पुलिस अधीक्षक रेखा प्रजापति ने बताया कि सिवनी माल कन्या आश्रम में पदस्थ चपरासी दशरथ लाल बरमैया ने अपने जीपीएफ खाते से लगभग 1 लाख रुपए

निकाले थे। इस राशि को निकालने के एवज में सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी नोखेलाल बेलिया ने उनसे 10 हजार रुपए की रिश्तत मांगी थी। रिश्तत की मांग से परेशान होकर दशरथ लाल ने लोकायुक्त जबलपुर से शिकायत की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई की योजना तैयार की। गुरुवार को नोखेलाल बेलिया को रिश्तत की पहली किश्त के तौर पर 5 हजार रुपए लेते हुए टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद लोकायुक्त टीम ने बीईओ कार्यालय नारायणगंज में आवश्यक कानूनी कार्रवाई और जांच शुरू कर दी है। लोकायुक्त इस मामले में रिश्तत की मांग और लेन-देन से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।



निकायों में लंबित कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराएं: मंत्री श्रीमती उड़के, जिला स्तरीय बैठक में निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उड़के ने कहा है कि जिले के नगरीय निकायों में अमृत 2.0, जल संरचनाओं के संरक्षण और पार्कों के सौंदर्यीकरण के लंबित कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग एंड रिव्यू समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ण हो चुके कार्यों का जनप्रतिनिधियों द्वारा शीघ्र लोकार्पण कराया जाए। अमृत 2.0 के तहत नई पाइप लाइन डालने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत समय पर की जाए। सड़कों को तोड़कर लंबे समय तक ऐसे ही



छोड़ने से आमजन को परेशानी होती है। बैठक में पीडीएमसी के कंसल्टेंट ने बताया कि नगरीय निकायों में स्वीकृत कार्यों में 92.84 प्रतिशत भौतिक प्रगति हो चुकी है। भुआ बिछिया में पेयजल आपूर्ति के लिए 110 नल कनेक्शन लगाना शेष है। वार्ड-5 के तालाब का सौंदर्यीकरण 70 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। नैनपुर में 10 किमी पाइप लाइन डाली जा चुकी है, 28 नल कनेक्शन शेष हैं। इटका तालाब का सौंदर्यीकरण लगभग पूर्ण है। मंडला

में दो नई टंकियों का निर्माण और अतिरिक्त लाइन डालने का कार्य चल रहा है। बम्हनी बंजर में तालाब सौंदर्यीकरण और पार्क का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी तरह निवास में गज्जू देवरी तालाब और नगरीय क्षेत्र के पार्क का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। बैठक में निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े, नगर पालिका परिषद नैनपुर अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, नगर परिषद भुआ बिछिया अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी, नगर परिषद बम्हनी बंजर अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा, नगर परिषद निवास अध्यक्ष श्रीमती हेमलता परस्ते, कलेक्टर राहुल नामदेव थोटे, अपर कलेक्टर हुनैन्द्र घोरमारे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ट्रक ने कुचला, हाथ-पैर कटे, 2 की मौत

* कार-बाइक सवारों को 200 फीट घसीटा, सिर फूटा।

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

जबलपुर-मंडला रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारने के बाद बाइक सवारों को कुचल दिया। बाइक सवारों को करीब 200 फीट तक घसीटा। हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद सड़क पर दोनों युवकों के शव पड़े रहे। हादसा बरेला टोल नाका के पास हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही बरेला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल कार चालक को इलाज के लिए जबलपुर रेफर कराया। पुलिस मृतकों की पहचान करने के साथ हादसे के कारणों की जांच कर रही है।



मंडला के रहने वाले ये दोनों युवक

बताया जा रहा है कि बाइक सवार दोनों मृतक मंडला जिले के बीजाडांडी क्षेत्र के रहने वाले थे। दोनों युवक बाइक से अपने घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना के बाद उनके परिजन से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

मौके से कटे पैर और हाथ को पुलिस ने उठाया।

टक्कर के बाद ट्रक चालक फरार

कार को टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के इलाके और संभावित मार्गों पर भी उसकी तलाश की जा रही है।

बताया जा रहा है कि ट्रक और कार की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर के बाद कार बाइक सवारों समेत करीब 200 फीट तक घिसटती चली गई। हादसे में कार को भी काफी नुकसान पहुंचा है। घटना में शामिल कार का नंबर MP 51 ZB 3909 बताया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।



ख़बर संक्षेप

बालश्रम कानून का कागजों पर ही रहा है पालन, अनेक जगहों पर धडल्ले से कर रहे मासूम काम

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने में जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व में कारखाना अधिनियम 1948 खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है,वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मगर आजादी के 62 वर्ष बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई,जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पैट भरने के लिए कचरा बीनना,सिर पर लकड़ी का गट्टा ढोना,होटलो मे कप प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, क्षेत्र में बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़ा तक मौजूद नही होगा? गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी जिले के हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है। उन्हे वो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित है, ग्रामीण अंचलों मे भीर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है। शासन द्वारा करोड़ो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाव नही आ सका,इनका भविष्य अंधकारमय हो जा रहा है,गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाहकर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है,क्या करे गरीबी अंधश्रुप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

योजनाओं के नाम पर एन.जी.ओ भर रहे अपनी जेब, लोगों की समस्याएं जहां की तहां...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। गैर सरकारी संगंजनों का अब एक मात्र उद्देश्य पैसा कमाना होता हुआ जान पड़ रहा है? यदि देखा जावे तो सरकार भी इन गैर सरकारी संगंजनों को दिल खोलकर धन भुट्टया करती जा रही है? लेकिन सरकार द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए इन संगंजनों को पैसा दिया जाता है, वह उन उद्देश्यों को भुलकर अपनी जेबो को भरने में लगे हुए देखे जाते है? इन गैर सरकारी संगठन व स्वयं सेवी संस्थाओं को विभागों की तरफ से भारी भ्रकम रकम अनुदान के रूप में सामाजिक कार्यों के क्रियाव्थन के लिए दी जाती है,लेकिन इस राशि का उपयोग सही दिशा में वही हो पाता है,इन संगंजनों व संस्थाओं द्वारा सारे काम कागजों पर चलते हुए देखे जाते है, इनमें कई संगठन और संस्थाएं तो सिर्फ कागजो पर चलते हुए जान पड़ रही है, इस बात से सरकारी विभाग के अधिकारी भी इंकार नही कर रहे? मगर क्षेत्र में विभिन्न विभाग की योजनाओं के नाम पर दर्जनों एन जी ओ पैसा कमा रहे है? लेकिन विभाग इन पर लगान नही लगा पा रहा है। इस तरह की स्थिति के चलते योजनाओं का लाभ सही हित्वाहियों को नही मिल पा रहा है, आदिम जाति कल्याण विभाग ने रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, शिक्षा व विमिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गैर सरकारी व स्वयं सेवी संगठनों को अनुदान दिया जाता है, जिसमें अधिकांश योजनाएं केन्द्र सरकार से ही आती है, परंतु इनके लिए राज्य शासन की अनुमोदना लगती है तथा ही जिला स्तर पर संबंधित सूत्रों को कहना है कि तबई समय से कई ऐसी स्वयं सेवी संस्थाएं भारी राशि अनुदान से भी नही मिल पा रही है, आदिम जाति कल्याण विभाग को अनुदान दिए जाते है, उनके आर्वेदन के लिए पूरा नेटवर्क बना हुआ है।

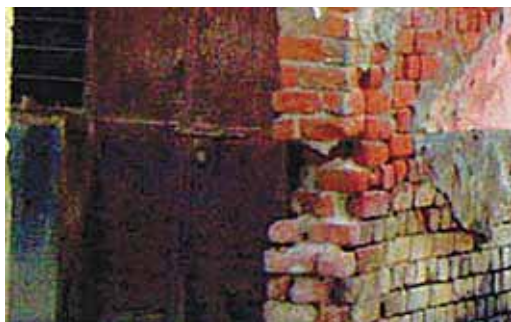
नगर में बने हुये पुराने काम्पलेक्स की हालत हो चुकी है जर्जर

आये दिन पशुओं का डेरा रहने के चलते किसी दिन बड़ी घटना की संभावना से नहीं किया जा सकता है इंकार , अनदेखी के चलते दिनों दिन शटरों से लेकर अन्य जरूरी सामग्री हो रही है गायब..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रशासन के अधीन माने जाने वाले काम्पलेक्सों की स्थिति जिस प्रकार से देखने मिल रही है की वह जहां लगातार बदहाली का शिकार होने से नही चूक रहे है तो दूसरी ओर प्रशासन इन जर्जर स्थिति में पहुंच चुके काम्पलेक्सों को नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते जहां यह काम्पलेक्सो की हालत काबड़ में तब्दील होने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर हालत यह बन चुकी है कि इन काम्पलेक्सों के अंदर से लेकर ऊपर तक मवेशियों का आगम गृह बना हुआ दिखाई देने लगा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर विकास के ल्पये अपनी ओर से कोई कसर नही छोड़ी जा रही है और आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये नये नये काम्पलेक्सों को तो बनाया जा रहा है । मगर जर्जर हालत में पहुंच रहे पुराने काम्पलेक्सों को नजर अंदाज किया जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है..? शहर में बने हुये पुराने काम्पलेक्सों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक दुकानदारों के ऊपर लाखों रूपया किराये के रूप में बाकी होने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही होने के कारण दुकानदार अपनी दुकानों को किरायदार टू किरायदार व्यवस्था में चलाते हुये धनवान बनने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर इसके बाद भी नपा में दुकानों का किराये जमा करने में बरती जा रही कोताही के चलते यदि नपा द्वारा निष्ठा के साथ बसूली करे तो निश्चित तौर से नपा में राजस्व की बढ़ोत्तरी होने के साथ साथ आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है..? इतना ही नही नपा के काम्पलेक्सों में किराय से ली गई दुकानों का हाल इस तरह देखने मिल रहा है कि इन दुकानों को लेते समय निर्धारित की गई शतों को भी उनके वास्तविक मालिक दुकानदारों द्वारा खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है..? जिसमें प्रमुख रूप से नगर की पानी की टंकी के पास स्थिति कामर्थ काम्पलेक्स की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि अनेक दुकानदारों द्वारा नपा से अपने नाम से ली गई दुकानों को दूसरे को किराय पर देकर जहां उनसे भारी भरकम राशि बसूली जा रही है और कुछ इसी प्रकार का



हाल नगर के अन्य काम्पलेक्सों का भी देखा जा रहा है जो नपा द्वारा बरती जा रही उदासीनता के चलते वह अपनी बदहाली पर आंस् बहा रहे है। बताया जाता है कि यहां पर अनेक दुकानदारों द्वारा आम पब्लिक के लिए आने जाने छोड़ी गई यानि की फुटपाथ पर भी अतिक्रमण किया गया है जिसके चलते लोगों का वहां से निकलना तक मुश्किल होने के साथ खतरा पैदा होने से नही चूक रहा है। क्योंकि काम्पलेक्स के निर्माण के दौरान उसमें बनाई जाने वाली दुकानों के सामने फुटपाथ के लिए रास्ता छोड़ा जाता है जिससे लांग आसानी से आ जा सके। मगर उस छोड़ी गई जगह पर



दुकानदारों द्वारा अतिरिक्त निर्माण करते हुये अतिक्रमण कर पूरे रास्ते पर ही कब्जा जमा लिया गया है। वही दूसरी ओर नपा द्वारा इन दुकानों को दुकानदारों किराये पर देते वक्त नियम के तहत लिखाये गये किरायानामा के अनुसार काम्पलेक्स में जब इन दुकानों का ऑक्टन किया गया था। उस समय उसमें यह बात स्पष्ट की गई थी कि काम्पलेक्स में ली गई दुकानों का उपयोग स्वयं यानि की दुकान लेने वाला व्यक्ति ही उपयोग करेगा व प्रति तीन वर्ष के बाद दुकानों के किराये में बढ़ोत्तरी की जावेगी तथा दुकानदार निश्चित समय अवधी के दौरान नपा में दुकान का किराया जामा करेगा। वही

मूंग खरीदी केन्द्रों पर फैल रही अव्यवस्था से परेशान व आक्रोशित किसानों ने फिर किया गाडरवारा कामती मार्ग पर चकाजाम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। गमी सीजन में तेज धूप की तपन के बीच रात दिन एक करते हुये जिस तरह क्षेत्र के फ़सलों द्वारा मूंग फसल तैयार की गई ाी उससे उन्हें पूरी उम्मीद थी कि उसका विक्रय करते हुये वह अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति में सुधार ले आवेगे। क्योंकि मूंग फसल की बोनी करने के बाद उसे कीटों से बचाने के लिये किसानों को काफी लागत लगानी पड़ती है। जब क्षेत्र के किसान अपनी फसलों के बचाव को लेकर किसी दुकान से सामग्री लेकर आते है तो दुकानदार को अपनी फसल विक्रय करने के दौरान उधारी चुकाने का भरोसा दिलाते है। मगर जब किसानों की मूंग फसल तैयार होकर विक्रय करने की स्थिति में पहुंची तो सरकार द्वारा पहले अन्नदाता की खून पसीने से तैयार हुई मूंग को मात्र 25 प्रतिशत ही समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय लेकर जहां किसानों को संकटों के बीच खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस स्थिति में अनेक छोटे किसानों को अपनी मूंग व्यापारियों के पास ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ा था। क्योंकि अपनी फसलों को तैयार करने से लेकर अन्य जरूरी व्यवस्थाये बनाने के लिये चल रहे महंगाई के दौर में छोटे फ़सलान काफी हद तक कर्जदार बन चुके होते है। यदि वह उस फसल को कुछ दिनों तक अपने घर में रखकर भाव में बढ़ोत्तरी का इंतजार करते है तो उससे अधिक राशि ब्याज की मात्र में जुड़े जाती है..? इसी के चलते छोटे किसानों को फसल आते हुये उसका विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी प्रकार का हाल इस वर्ष भी मूंग को लेकर देखने मिला है। क्योंकि सरकार द्वारा लिये गये 25 प्रतिशत निर्णय के दौरान जब छोटे फ़सलान मजबूरी बस अपनी मूंग को विक्रय करने के लिये पहुंचे तो कुछ व्यापारी नुमा किसानों द्वारा इनकी मजबूरी का फायदा उठाने में कोई कसर नही छोड़ी गई और ओने पोने दामों में इन मजबूर किसानों की मूंग खरीदकर अपनी गोदामों में भरते हुये दामों में बढ़ोत्तरी का इंतजार करते हुये दिखाई देने लगे। इस तरह सरकार के 25 प्रतिशत मूंग खरीदी के निर्णय का विरोध करते हुये आक्रोशित किसानों द्वारा जब प्रदेश की राजधानी तक



हल्ला बोला तो सरकार द्वारा इसे बढ़ाते हुये 60 प्रतिशत तो कर दिया गया। मगर सरकार के इस निर्णय का लाभ छोटे किसानों को मिलने की जगह व्यापारी बने बड़े किसान व कुछ माध्यम वर्ग के किसानों को मिलते हुये देखा जा रहा है। मगर इस दौरान भी देखा जा रहा है कि अपनी मूंग का विक्रय करने के लिये अन्नदाता बीते हुये एक सप्ताह से अधिक समय से लाईनों में भूखा प्यासा रहते हुये खड़ा है। मगर खरीदी केन्द्रो पर फैली हुई अव्यवस्थाओ तथा खरीदी केन्द्रो की धीमी गति के चलते



फ़सलों में आक्रोश फैलने से नही चूक रहा है। खरीदी केन्द्रो का हाल यह बना हुआ है कि एक एक सप्ताह लाईनों में लगने के बाद जब किसानों की ट्रैक्टर ट्राली तुलाई के समीप पहुंचती है तो वहां पर कह दिया जाता है कि तुम्हारी मूंग इस केन्द्र पर नही दूसरी केन्द्र पर तुलेगी। इस स्थिति में किसान अपनी मूंग को दूसरे केन्द्र पर लेकर पहुंचता है तो वहां पर फिर उसे लाइन में लगाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इस तरह प्रशासनिक अधिकारियों की गैर जिम्मेदाराना कार्य प्रणाली के चलते जहां देश का अन्नदाता इस केन्द्र से उस केन्द्र के बीच घन चक्कर बनते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर लाईनों में लगे होने के दौरान मूंग में नमी होने के कारण खरीदी केन्द्रो खून पसीने से तैयार की गई मूंग फसल को गुणवत्ता पूर्ण नही होने पर खरीदने से इंकार किया जा रहा है। इस संबंध में किसानों का कहना है फ़क हम तो पूर्ण गुणवत्ता पूर्ण लेकर आये हुये थे और लाईन में लगे लगे बारिश होने लगी तो हमारी क्या गलती..? वही दूसरी ओर अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का खरीदी केन्द्रो पर आभाव होने से परेशान हो रहे किसानों में आक्रोश फैलने से नही चूक रहा है। इसी के चलते आये दिन वह चकाजाम करते हुये देखे जा रहे है। लगातार दूसरे दिन आक्रोशित किसानों द्वारा कामती गाडरवारा मार्ग पर चकाजाम करते हुये विरोध प्रदर्शन किया।

बिजली की आंख मिचौनी से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नहीं दे रहे है ध्यान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर

इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख दिल देते हुए महंगाई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उसहफ को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गांवो में जिस प्रकार से बिजली की आंख मिचौली चल रही है। उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चे अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन का सामना नही करना पड़ेगा, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचौली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है, जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम से की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अधोषिति कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की आंख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, अधिकारियों को जांच करने के लिए नहीं है समय

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। मगर अब वह क्षेत्र के गांवों में औपचारिकता बन कर रह गया हुआ जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गाँवों में इस योजना ने दम तोड़ दिया है। गाँवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है...? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाडियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नहीं मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है। पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे हैं..? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है कि साझा चूल्हा योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश है किन्तु अनेक जगहों पर समूहों को संचालन करने वाली महिलाओं के पतियों ने इसे व्यवसाय का माध्यम बना लिया है? जो मीनू का समुचित पालन ही नही हो रहा है। यही नही क्षेत्र के कई गाँवों में विभागीय सॉट गोट के चलते योजना कागजों में चलते हुए बताई जा रही है? और उनका भुगतान भी समूह ले रहे है? तथा इनकी गुणवत्ता पर भी ऊँगलियाँ उठ रही है? मगर तहसील स्तर से लेकर जिले में बैठे हुए अधिकारियों द्वारा इन्हें जांच करने की बात तो दूर उनसे निरीक्षण करने के लिए भी समय नही मिलता जिसके चलते यह शासन की योजना भगवान भरोसे ही चलता हुआ जान पड़ रहा है।



आदिवासी छात्र जटिल मार्गों से होकर गुजरते है अपनी पढ़ाई व अन्य कार्यों के लिए



हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिवर्ष अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए उन्हें खोज खोजकर स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया जाता है, मगर बच्चों को स्कूल जाने के लिए जब सुलभ रास्ते नही होंगे तो वह इस स्थिति में वह केसे स्कूल पहुंच पायेंगे? इस बात की सच्चाई इस जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम गोटीटोरिया से दूर दराज पहाड़ी इलाको में आसानी से देखने मिली है, जहां पर आज भी ऐसे कुछ ग्राम बसे हुए है जहां पहुंचने के लिये दुर्गम रास्ते एवं पगड़न्दी रास्तों से होते हुए पहुंचना पड़ता है? बताया जाता है कि स्थानों पर न तो लाइट की व्यवस्था है न ओर न ही स्वास्थ्य न शिक्षा की व्यवस्था तथा खाने पीने का सामान उपलब्ध न होने के कारण उन्हे कई किलो मीटर पैदल चलकर गोटीटोरिया पहुंचकर बस के साधन से गाडरवारा आकर वे अपनी जीविका चलाने के लिए माहुल के पत्ता, चिर्राँजी, गौंद, शहद, झाड़ू, लाटिया, ककड़ी, बाबेर, घास बेंचकर दैनिक उपयोग का सामान खरीददकर पुनः वापिस जंगल की उन्हे पहाड़ियों में पैदल जाते है। प्राचीन समय में ये आदिवासी जंगली इलाकों में रहकर मालगुजारी प्रथा में मक्का, कुटकी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? देश की आजादी के बाद जब मालगुजारी उन्मूलन प्रथा समाप्त की गयी तो इन आदिवासियों को भू स्वामी के पट्टे दिये ताकि वे अपना जीवन यापन सुचारू रूप से चला सकें। लेकिन अधिकांश जगहों पर आज भी ये भोले भाले आदिवासी मुख्यधारा से हटकर अपना जीवन यापन कर रहे है, हालांकि केन्द्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक इन आदिवासियों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये अनेको जन कल्याणकारी योजना चला रही है और प्रयास कर रही है कि इनको योजनाओं का लाभ मिले ताकि उनके रहन सहन में सुधार हो सके मगर वह सिर्फ कल्पना मात्र ही साबित होता हुआ जान पड़ रहा है। क्योंकि विगत दिनों बड़ा गांव तलैया के आदिवासी बच्चे छात्रावास चीचली से अपना परीक्षा परिणाम लेकर भूखे प्यासे पैदल अपने गांव जाते हुए दिखे तो इस स्थिति को देखकर यह जान पड़ा की शासन की योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित जान पड़ने से नही चूक रहा है? क्योंकि जहां सरकार द्वारा बच्चों का शिक्षा स्तर बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, वही दूसरी ओर बच्चों स्कूल आने जाने के लिए मार्ग तक उपलब्ध नही हो पा रहा है तो फिर क्या सरकार का स्कूल चले हम सपना खाक साकार हो पायेगा।

दुकानों के सामने न तो किसी भी प्रकार से जगह को अवरूद्ध करेगा और न ही अतिक्रमण किया जावेगा ओर न ही किसी प्रकार से तोड़ फोड़ की जावेगी व स्थल के हिसाब से दुकानों को संचालन करना पड़ेगा तथा दुकानदार अपनी दुकान को अन्य किसी व्यक्ति को किराय पर भी नही देगा..? मगर इस आदेश का दुकानदारों द्वारा पालन करने की बात तो दूर उनके द्वारा खुलेआम इन शतों का उल्लंघन करते देखा जा रहा है। यदि वर्तमान स्थिति में नपा के किरायदार टू किरायदार से चल रहे काम्पलेक्सों की सच्चाई देखी जावे तो नगर के पानी टंकी के पास स्थिति कामर्थ काम्पलेक्स सहित अन्य काम्पलेक्सों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि दुकानदारों द्वारा किरायदार टू किरायदार नीति अपनाते हुए किरायानामे की शतों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए दुकानों को संचालित करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर इसके बाद भी भी किसी प्रकार से कोई कार्यवाही न होना सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है..? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के सब्जी मंडी सहित चीचली मार्ग तिरहा के पास बने हुये काम्पलेक्सों का देखा जा रहा है। नगर की सब्जी मंडी के सामने बने हुये काम्पलेक्स की स्थिति तो इस प्रकार बनी हुई है कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नही होने के कारण इस काम्पलेक्स की छतों में घूमने वाले मवेशी निश्चित तौर किसी दिन कोई बड़ी घटना को अंजाम देने की संभावना को जन्म देते हुये दिखाई पड़ रहे है। क्योंकि काम्पलेक्स की छतो पर दिन भर मवेशियों का हुजूम लगा इस तरह से देखने रहा है कि दर्जनों मवेशी एकत्र होकर वही पर लडने से नही चुकते है, अब सबाल यह पैदा होता है कि यदि इस दौरान कोई मवेशी नीचे गिर जाता है तो उसकी जिन्दगी के साथ साथ बाजार क्षेत्र में जाने जाने वाले लोगों के जीवन को भी संकट पैदा होने से नही चूक पायेगा? क्योंकि नगर का यह प्रमुख बाजार होने के कारण यहां पर दिन भर भीड़ का आलम बना रहता है। इस प्रकार काम्पलेक्स की छत पर घूमने वाले मवेशियों की अनदेखी निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना के रूप में सामने आने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।



आखिर कौन कर रहा है शासकीय संपत्ति को गायब, पेहेरेदारों की भूमिका पर सवाल...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घंटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामले में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है, वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है, क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है तो दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त सभांगीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई पार करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है, वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो इन लोहे की पट्टियों को पार करने वाले द्वारा निश्चित ही उनका विक्रय किसी न किसी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? क्योंकि इस समय नगर में जिस प्रकार से कबाड़े का कारोबार कुलियों से लेकर खेतों में फैला हुआ है उसके चलते इस प्रकार से लोहे की सामग्री को बढ़ावा देने में कोई कसर ही छोड़ रहा है? मगर इसके इसके बाद भी इस प्रकार से कबाड़ियों के प्रति पुलिस की मेहबानी चर्चा का विषय बनते हुए देखी जा रही है।

खबर संक्षेप

युवा संगम रोजगार मेले में 121 युवाओं का प्रारंभिक चयन

डिंडोरी। जिला स्तरीय युवा संगम रोजगार मेला, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसिप मेले का आयोजन गुरुवार को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) डिंडोरी में किया गया। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा शासकीय आईटीआई डिंडोरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले में विभिन्न कंपनियों ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए मेले का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती अंजु पवन भदौरिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कलेक्टर ने चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित कंपनियों की ओर से प्रदान किए गए चयन पत्र वितरित किए तथा युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ उठाते हुए अपने कोशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 11 कंपनियों ने सहभागिता की। रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए जिलेभर से 469 आवेदक मेले में शामिल हुए। कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 121 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया मेले में शिवशक्ति एबीटेक जबलपुर द्वारा 8, एलआईसी डिंडोरी द्वारा 16, जीआईएस इंडिया पुणे द्वारा 17, फबवेयर द्वारा 14, परम फाउंडेशन द्वारा 5, कैरोस ट्रेनिंग सेंटर हैदराबाद द्वारा 25, मंजू सिक्वोरिटी सर्विस छिंदवाड़ा द्वारा 2 तथा एसआईएस अनूपपुर द्वारा 13 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इसके अलावा कैरियर पोयर्स एवं अमाधाने द्वारा कुल 10 आवेदकों का चयन किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्याशु चौधरी, डिंडोरी एसडीएम रामबाबू देवानगन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। रोजगार मेले के आयोजन से स्थानीय युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसिप के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से जुड़ने का मंत्र मिला।

हर घर तिरंगा अभियान से डिंडोरी में गूंजा देशभक्ति का संदेश



डिंडोरी। ‘हर घर तिरंगा अभियान’ के तहत जिलेभर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में तिरंगा रैली, सभा, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताओं सहित अनेक गतिविधियों में अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी, युवा, महिलाएं और आम नागरिक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।जिला मुख्यालय में गुरुवार को उत्कृष्ट विद्यालय से तिरंगा रैली निकाली गई। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रानी अवंती बाई चौक पहुंची और इसके बाद पुनः मुख्य मार्ग से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में करीब पांच हजार लोगों ने सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल नागरिकों और विद्यार्थियों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बना।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजु पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे, जिला पंचायत के सीईओ श्री दिव्यांशु चौधरी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नरेन्द्र राजगुप्त सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठजन, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।इसी क्रम में पंडरीपानी में तिरंगा रैली एवं सभा का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर रैली में भाग लिया। देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। सभा में राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के योगदान और राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों की जानकारी दी गई। साथ ही स्वतंत्रता दिवस पर घर-घर तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए नागरिकों को प्रेरित किया

गया।समनापुर में भी तिरंगा रैली आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रैली के माध्यम से लोगों को ‘हर घर तिरंगा अभियान’ से जुड़ने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना बनाए रखने का संदेश दिया गया।अभियान के अंतर्गत कमको और मोहनिया में निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, स्वतंत्रता संग्राम और तिरंगे के महत्व जैसे विषयों पर निबंध लिखकर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में तिरंगे और राष्ट्रप्रेम से जुड़े आकर्षक चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार आयोजित हो रही इन गतिविधियों से ‘हर घर तिरंगा अभियान’ को व्यापक जनभागीदारी



मिल रही है। कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जिलेभर में

लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के चलते डिंडोरी का वातावरण इन दिनों देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शाहपुर में जिला स्तरीय पंच सम्मेलन कल ग्रामीण विकास, रोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

डिंडोरी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 14 अगस्त को विकासखंड डिंडोरी के ग्राम पंचायत शाहपुर स्थित नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में जिला स्तरीय पंच सम्मेलन एवं शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होगा। सम्मेलन में त्रिस्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास, रोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान ‘विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025’ के प्रावधानों से भी अवगत कराया जाएगा। यह अधिनियम 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो चुका है।कार्यक्रम में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने, आजीविका सुरक्षा, उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण, ग्रामीण अधोसंरचना एवं जल सुरक्षा से संबंधित कार्यों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पंचायतराज



संस्थाओं की भूमिका एवं दायित्व, विकसित ग्राम पंचायत योजना के निर्माण और विभिन्न शासकीय योजनाओं के अभिसरण पर भी चर्चा

होगी। ‘बीबी जीरामजी योजना’ के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका एवं विकास से जुड़े प्रावधानों तथा योजना के प्रभावी क्रिया-व्यवण में पंचायतों एवं जनप्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहेंगे। ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा पारदर्शिता, सामाजिक जवाबदेही, सामाजिक अकेक्षण, शिकायत निवारण एवं आईटी आधारित मॉनीटरिंग व्यवस्था जैसे विषयों पर भी जागरूक किया जाएगा।जिला प्रशासन ने सभी पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजनाओं एवं उनके प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।



एनसीसी कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे ने जवाहर नवोदय विद्यालय का किया निरीक्षण-कैडेट्स ने प्रस्तुत किया मार्च पास्ट, विद्यार्थियों को अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए किया प्रेरित

डिंडोरी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव में यूनिट-4 एमपी सीटीआर एनसीसी, जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे ने विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अलका विश्वकर्मा एवं एनसीसी प्रभारी चीफ ऑफिसर श्रीमती अनुपमा पी. सुंदरम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स ने कमांडिंग ऑफिसर के सम्मान में अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों को दिया प्रेरणादायी संबोधन

निरीक्षण के दौरान बहुउद्देशीय कक्ष में कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित किया। उन्होंने एनसीसी के महत्व के साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, राष्ट्रसेवा और व्यक्तिगत विकास जैसे विषयों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।उन्होंने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ नेतृत्व क्षमता तथा देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स से एनसीसी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।



एनसीसी कार्यालय और भोजनालय की व्यवस्थाएं देखीं-

कर्नल सुर्वे ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय के एनसीसी कार्यालय एवं भोजनालय कक्ष की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने भोजना की गुणवत्ता और भोजनालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए एनसीसी कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विभिन्न गतिविधियों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।उन्होंने विद्यालय के एनसीसी छात्र-छात्राओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और उनकी प्रगति की सराहना करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, एनसीसी प्रभारी चीफ ऑफिसर श्रीमती अनुपमा पी. सुंदरम ने कमांडिंग ऑफिसर के

विद्यालय भ्रमण एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक के.एल. महोबिया, धर्मेन्द्र सिंह सोनकर, सुनीता गुप्ता, रामानंद, मधुवंत धुर्वे, राहुल कुमार, विश्व दीपक त्रिपाठी, जिवानी राणा, उमा मिश्रा सहित अन्य शिक्षक एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र सिंह सोनकर ने किया, जबकि फोटोग्राफी का दायित्व श्री विचित्र सिंह ने निभाया।कमांडिंग ऑफिसर के निरीक्षण एवं मार्गदर्शन से एनसीसी कैडेट्स में उत्साह का संचार हुआ। विद्यार्थियों ने अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरणा प्राप्त की।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा भक्ति और संस्कार का संदेश

शहपुरा। नगर के श्रीराम मंदिर प्रांगण में श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी श्रीमद्भागवत पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथाकार पंडित मानवेंद्र शास्त्री ‘पौड़ी वाले’ के मुखारविंद से किया जा रहा है। सार्वजनिक सहयोग से वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण का पुण्य लाभ ले रहे हैं।कथा में महिला-पुरुषों के साथ बच्चों, युवा और बुजुर्ग भी उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। प्रतिदिन श्रीराम मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। पंडित मानवेंद्र शास्त्री भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों को सरल एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत करते हुए उनके आध्यात्मिक और नैतिक संदेशों को श्रद्धालुओं तक पहुंचा रहे हैं। कथा के दौरान व्यासपीठ से धार्मिक प्रसंगों के साथ नैतिक शिक्षा, वसुधैव कुटुम्बकम्, पारिवारिक समन्वय, सामाजिक समरसता, संस्कार, स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे समसामयिक विषयों पर भी जनजागरण का संदेश दिया जा रहा है। उनकी सहज संवाद शैली श्रद्धालुओं को कथा से जोड़ रही है और संस्कारमय समाज के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है।कथा आयोजन में नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं श्रद्धालु भी अपनी सेवाएं देकर पूजन, आरती और भंडारे की व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं।

हैकाथॉन और कोडिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई तकनीकी प्रतिभा आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर कैरियर मार्गदर्शन एवं नवाचार सत्र आयोजित

शहपुरा। शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकाष्ठ एवं महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तकनीक, नवाचार, कैरियर, स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य पी.एस. बरकड़ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को शुरूआत सुबह 11.30 बजे हुई।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रौद्योगिकी, अनुशासन और नवाचार विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान एवं पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसके बाद कैरियर परामर्श सत्र में विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी गई। तीसरे सत्र



में 'सतत विकास के साथ टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और इंटरप्रेन्योरशिप विषय पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।महाविद्यालय परिसर में प्रौद्योगिकी से संबंधित पुस्तकों का मेला एवं प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण हैकाथॉन एवं कोडिंग प्रतियोगिता रही। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी समस्याओं के समाधान खोजने और नवाचार आधारित विचारों को विकसित करने का अवसर

मिला।प्राचार्य पी.एस. बरकड़ ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और पूंजी हैं। तकनीक, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत के निर्माण को गति मिल सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप अपने कोशल को विकसित करने और नए अवसरों का लाभ

रुसा में किसान मोर्चा के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

शहपुरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के तत्वावधान में करंजिया मंडल के ग्राम रुसा में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। ट्रैक्टर रैली के रूप में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में किसानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की।कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान, प्रदेशध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल चावड़ा के निर्देशन तथा संगमा प्रमारी गोपाल पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम एवं किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष धनश्याम कछवाहा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई।तिरंगा यात्रा में शामिल ट्रैक्टरों पर राष्ट्रध्वज लगाए गए थे। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और किसानों ने देशभक्ति के नारे लगाए। जय जवान-जय किसान के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में सहभागी बनने की अपील की।यात्रा में शहपुरा मंडल उपाध्यक्ष विष्णु साहू, श्याम सुंदर साहू, भाजपा करंजिया मंडल उपाध्यक्ष पवन सिंह नेताम, पूर्व मंडल महामंत्री संतोष यादव, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष नरेश दत्त राय, पूर्व मंडल महामंत्री प्रदीप कुमार गुप्ता, मंडल मंत्री सेमलाल यादव, देवन श्याम, भगत सिंह, शिवपाल नेताम, मिलन धुर्वे, प्रेम सिंह सिद्धम, ग्राम पंचायत जारारसुरुंग के सरपंच जयप्रकाश धुर्वे, शहेशपाल, सुमन सिंह मार्को, टिकार्या पंडम, दिनेश पंडम सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे।तिरंगा यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति का संदेश दिया गया।



महिला चिकित्सक से धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

स्वर संक्षेप



गोटेगांव।
समीपस्थ कूड़ा
कला स्थित
पंचमुखी हनुमान
मंदिर, नर्मदा तट
पर श्री 108 महंत

तैवृद्धे। टीबी छत्र रोग मुक्त भारत अभियान के तहत 02 एम पी गलर्स बटालियन एनसीसी इकाई संत मेनो महिला महाविद्यालय तैवृद्धे छात्राणी छत्राओं द्वारा राट्टीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत चौरपाठ विकासखंड से सीनियर ट्रैटमेंट सुपरवाइजर दौपक बाजपेयी द्वारा टीबी रोग के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की छत्राओं एवं एन सीसी केडेट्स को टीबी की बीमारी के कारण लक्षण एवं उपचार के बारे में बताया गया तथा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत लक्ष्य उपलब्धि एवं उन्मूलन की रणनीति के बारे में चर्चा की गई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ किरण प्रसा जैन डॉ प्रकाश जैन के निदेशानुसार एनसीसी ऑफिसर के कटार रोमी मालवीय द्वारा सम्पन्न करया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिषद की उपस्थिति रही।



नरसिंहपुर। गत दिवस एम.आई.एम.टी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की पुरुष महिला इकाईयों के स्वयंसेवक हर घर चिंतना अभियान अंतर्गत

A group of women, likely students or staff, are standing in a line outdoors. They are wearing green and blue sarees. The background shows a building with a blue and white patterned wall.

गोटगाँव। कलचुरी समाज महिला मंडल द्वारा विगत विव्स नेताजी स बोस कार्य स्टेटिस्मन में हरियाली तीज महोत्सव-ध्वजास के साथ मन किया कि महिलाओं की महिलाओं ने विधि-धिष्णसे भगवान शिव पार्वती का पूजन-अर्चन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि क का कार्यक्रम के दौरान महिल मंडल की आगामी सामाजिक गतिविधि लेकर चर्चा की गई और उनकी स्वरूपेखा तैयार की गई। इसकें पछात महिलाओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया। महिलाओं ने पारंपरिक में तीज उपस्थ मनाने हुए एक दूसरे की शुभकामनाएं दीं कार्यक्रम पालिका उपाध्यक्ष श्रद्धा चौकसे, कलचुरी समाज जिला अध्यक्ष अर्चन पाषंड रानी यादव, महिला अध्यक्ष मणिषा यादव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि इसस्व आयोजनों से सामाजिक मेल-जोल बढ़ता है तथा नई पीढ़ी को अपनी और परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम हर्ष और माहौल में संपन्न

एनएच पर फिर काल कत्त



तद्वैश्ये। इन दिनों राजपूत राजमार्ग कर्मांक 45 जहलपुर मोपाल सड़क मार्ग प्रतिदिन मवेशियों के रक्त से लाल हो रहा है। आये दिन मवेशी असमय गाई के गाल में समा कर रहे हैं। गाल दिवस जहलपुर मोपाल सड़क मार्ग पर तद्वैश्ये से आगे तरफ दिवारार के समीप अद्वात बाहान ने 10 गौ गौ को रौंद डाला। आर पांच मवेशी बुड़ी तरह से जख्मी हो गए हैं। घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि नगर परिषद स्थानीय मौके पर पहुंचे और उपचार की व्यवस्था कराई गई। अथवा अथवा प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। धीरे धीरे खबर लगने ही गौ से सुरक्षण गुरक्षा अभियान और विध्वं हिन्दू हिन्दू बजरंग दल के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में पहुंचे जिन्होंने वीमरस स्प्रे लेकर

तबूड़ेडा। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर प्रजापति बहामकुमारी ईश्वरीय विष्व विद्यालय तबूड़ेडा द्वारा आयोजित जून जगत के वास्तो कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय परस्पर वक्ता डॉ. बाँके न्युमिता दीदी ने सकारात्मक सोच आत्मविश्वास श्रेष्ठ जीवभावना का संदेश दिया उन्होंने कहा कि परिस्थितियों कैसी भी हों व्यक्ति को सकारात्मक रहना चाहिए। सकारात्मक विचार ही जीवन को दिशा बदलने और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं। विभिन्न रोकट बंधन प्रेरणादायक प्रयोग करकर उपस्थितजनों को सकारात्मक रहने का व्यावहारिक अनुभव कराया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुई इस कार्यक्रम में बाँके कुसुम दीदी ने शब्द सुमनों से सभी अतिथियों एवं नगरवासियों को स्वागत किया। मंचासीन अतिथियों एवं कार्यक्रम में उपहार गणमान्य नगरिकों का तिलक एवं पुष्पो से आत्मसी स्वागत किया गया। छोटी नन्ही बालिकाओं से मनमोहक नृत्य प्रस्तुति देकर सभी अतिथियों को स्वागत किया। इस मौके पर व्यावहारिक मजिस्ट्रेट शिवकांत कुशवाह क्षेत्रीय विधायक विधायक सिंह पटेल वरिष्ठ चिकित्सक डॉ शर्मा मोदी मंदी नगर परिषद अध्यक्ष पुष्प शर्मा नगर पुरोहित पं वंद्रकांत चौधे सहित मंचासीन अतिथियों सम्मन किया गया तथा संस्थान की ओर से ईश्वरीय सौगात मेंट की गई। इस मौके पर विधायक विश्वनाथ पटेल ने अपने संबोधन में नारी संस्थान की महत्वा तथा बहामकुमारी संस्थान की दीर्घायु द्वारा समाज में किए जा रहे सेवा कार्यों त्याग एवं तपस्या की सरहना करते हुए विषम परिस्थितियों में भी हमें डटकर मुकाबला करने तथा सेवा पुण्य कार्यों में जुटा रहना चाहिए।आयोजन में सेवा भाव से गाईड उपलब्ध करने वाले अमिताभ मोदी का संस्थान की ओर से सम्मन किया गया। तथा उपस्थित सभी मंचासीन अतिथियों एवं पत्रकारों द्वारा भी डा न्युमिता दीदी का सम्मान शान्ति श्रीपत्तरी के किया गया।संस्थान की ओर से सभी अतिथियों एवं संस्थागियों को ईश्वरीय सौगात मेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर के प्रबुद्ध जनों उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बाँके पुरुषोत्तम भाई ने किया। समापन अवसर पर नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ सकारात्मक एवं संस्थान युक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी कराई गई।साथ ही तीन दिवसीय नवयुव शैवि की भी जानकारी दी गई।

गठन किया गया। गठित टीम को तकनीकी एवं अन्य आवश्यक माध्यमों से आरोपी की शीघ्र तलाश कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जीवनसाथी एवं सोशल मीडिया अकाउंट की तकनीकी जांच की जांच के दौरान आरोपी द्वारा उपयोग किए जा रहे जीवनसाथी डॉट कॉम एवं विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट की तकनीकी जांच की गई। प्रारंभिक स्तर पर कुछ ऐसे स्थल सामने आए जिनसे आरोपी द्वारा स्वयं को आईएसएस अधिकारी प्रदर्शित करने का प्रयास किया जाना प्रतीत हुआ। तथापि जिला धार प्रशासन से जानकारी प्राप्त करने पर स्पष्ट हुआ कि

नरसिंहपुर। गत दिवस पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान 192 आवेदन प्राप्त हुए। जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अनेकों समस्याएं, शिकायतें और नागरिकों ने अनेकों सुझावों को प्रस्तुत किया।

प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया जिसका मजबूत अवामजन और जनप्रतिनिधियों के बीच प्रभावी संवाद का अत्यंत महत्वपूर्ण बर्तन सा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्षित प्रकरण का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शासक की योजनाओं का लाभ प्राप्त व्यक्तियों तक समान पर पहुँचे, इसके लिए सभी विभाग (जन्तुमदारी के साथ कार्य करें)। धियायक मीडिया प्रभारी वैभव मेहता ने बताया कि इस सप्ताह आयोजित विभागों में कुल 192 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

तेंदूखेडा विगत दिवस

हिरयाली अमावस्या के पान अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के अन्तर्गत एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम महामृत्युंजय नर्मद सेवा समिति एवं वृक्ष मित्र परिवार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित हुआ। उल्लेखनीय है वृक्ष मित्र परिवार केन्द्रीय कृषि मंत्री भारत सरकार का एक अनुदी प्रकल्पना है जो देश के संकल्पों को आमसा कर अवसर पर समिति के सदस्यों हैं। वृक्ष मित्री की दूरदर्शी सोच के साथ साथ उपस्थित जनता हैं। वृक्ष मित्री निवासियों प्रकृति पर जो हरा भर रखने के महाअ

अनूठी परिकल्पना है। जो पर्यावरण को बचाने और संकल्पों को आत्मसात करते हुए समिति के सदस्यों को अवसर पर समिति के सदस्यों ने कहा कि वृक्ष के हैं। कृषि मंत्री की दूरदर्शी सोच के अनुरूप वृक्ष मित्र के साथ साथ उपस्थित जनों ने इन पौधों के संरक्षण स्थानीय निवासियों प्रकृति प्रेमियों और समिति के को हरा भरा रखने के महाअभियान में निरंतर सह



स्थान की जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस टीम को वाराणसी उत्तर प्रदेश रवाना किया गया। तकनीकी सहाय्य एवं स्थानीय पतासाजी के आधार पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। आरोपी की गिरफ्तारी उपरांत उसके परिवर्जन एवं ग्राम वासियों से पूछताछ में जानकारी मिली कि आरोपी लंबे समय से स्वयं को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों को भ्रमित करता था। वह अपने परिवार एवं गांव के लोगों के समक्ष भी एसडीएम पद पर प्रस्थ होने का दावा करता था तथा इसी आधार पर लोगों का विश्वास अर्जित करता रहा। जहां में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी

2 आवेदन

मुस्लिम समाज ने पुलिस

नरसिंहपुर। गत दिवस जिले में एक नाबालिग बच्ची को साथ दुष्कर्मी के बाद हत्या किए जाने के मामले में आरोपी को न्यायालय के माध्यम से फांसी की सजा दिलाए जा रहे हैं। तथा मुक्तिक के परिवार को सरकार ने नौकरी एवं आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग को लेकर नरसिंहपुर मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 5 अगस्त

रैयों को

माजी संवाद
देशीयत विपरीत
कि लोगो
ह कि
ह, इसके
प्रामाणी
ल १९२
ह है।

फोटो एडिट कर बनाता था फर्जी पहचान— जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी लोगों को प्रभावित करने एवं विश्वास में लाने के उद्देश्य से एआई आधारित तकनीक का उपयोग कर फोटो एडिट करता था। वह वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक संस्थानों एवं सरकारी कार्यक्रमों से संबंधित फोटो में छेड़छाड़ कर स्वयं को उच्च पदस्थ अधिकारी के रूप में प्रस्तुत करता था। आरोपी संजय कुमार निवासी बनमौती, जिला भदोही उत्तर प्रदेश से विस्तृत पृष्ठछाड़ की जा रही है। उसके बड़े खातों, मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट, डिजिटल उपकरणों एवं अन्य संपर्कों की तकनीकी जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इसी प्रकार अन्य व्यक्तियों के साथ भी धोखाधड़ी की है या नहीं। प्रकरण के सभी पहलुओं की गहन जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

स अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए आरोपी को न्यायालय से कोठारतल धकेल, जिसमें कानून के प्राधान्यों के अनुपम मयुरकुंड भी शामिल है, दिखाने के लिए आदेश्यक प्रसार किए जाएंगे। ज्ञापन के माध्यम से शासन-शासन से यह भी मांग की गई कि मुक्तिका के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकार की नौकरी दी जाए, ताकि इस असहनीय दुख की घड़ी में परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक संकल मिल सके।

महेन्द्र नागेश ने छात्रों को वितरित की साइकिलें

मोटेगांव। विधानसभा क्षेत्र मोटेगांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर में नि.शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक महेन्द्र नागेश शामिल हुए और छात्र-छात्राओं को नि.शुल्क साइकिलें वितरित की। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि नि.शुल्क साइकिल वितरण योजना विद्यार्थियों को शिक्षा से निरंतर रहने रखने तथा विद्यालय आने-जाने को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। साइकिल मिलाने से विद्यार्थियों में उत्साह बढ़ेगा और उन्हें शिक्षा जारी रखने में सुविधा मिलेगी। साइकिल पत्राचार करने के बाद छात्र-छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। विधायक ने सभी विद्यार्थियों को उच्चतर अर्थात् एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ता अर्थात् पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तेदूखेडा। आजादी के अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा के तहत संपूर्ण भारत वर्ष में 09 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत तेदूखेडा में नगर परिषद से नगर के मुख्य मार्गों से विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल एवं नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु शर्मा के नेतृत्व में एक विशाल तिरंगा जनजागरण रैली निकाली गई। जिसमें नगर परिषद के पाँच गांव गणमान्य नागरिक आस पास ग्रामीण क्षेत्रों से आये जनप्रतिनिधियों विकासखंड तथा जिला यात्रा के वादशिकारी एवं स्कूली छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यात्रा का समापन महत्वा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रामलीला मैदान में किया गया। इस मौके पर विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के साथ देश में एकता के कल्पना के काम चल रहे हैं। और सभी को मान सम्मान मिल रहा है।

तंदूखेडा। इन दिनों चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया के ग्राम कन्हैरी में संचालित डोलोमाइट मार्बल खदान संपूर्ण क्षेत्र में जनचर्चा का विषय बनीं हुई है। ग्राम पंचायत की महिला सरपंच और ग्राम वासियों के सहयोग से व्यापक स्तर पर व्याप्त विसंगतियों का पता चला। सुरक्षा और जनभावनाओं के विपरीत चल रही गतिविधियों को लेकर खुले आम सड़क पर उतरने मजबूर हो रहे हैं। महिला सरपंच ने तहसीलदार तंदूखेडा से लेकर मुख्य सचिव तक शिकायतें दर्ज कराई हैं। इन शिकायतों के सत्यापित तथ्यों को छिपाने की दिशा में खदान संचालक अपने बचाव को लेकर आनन फानन वृक्षारोपण करने लगे हैं। लेकिन खदान शुरू होने से लेकर अभी शुरूआती दौर में कुल पशुओं की संख्या और वर्तमान संख्या में कोड़ी-डौल मुहर का अंतर स्पष्ट नजर आ रहा है। किसी भी प्रकार की निजी जांच के एजेंसी माँके पर जांच करने पहुंचने पूर्व अब खदान क्षेत्र में वृक्षारोपण शुरू कर दिया गया है लेकिन इनकी लंबाई और जो मापदंड इतने सालों

पण, गड्डों में पानी सहित लग रहे पौधे



में निर्धारित होने चाहिए वह मेल करते ही नहीं दिख रहे हैं। कार्यवाही के भय से जल्द बाजी में लगाये जा रहे इन पौधों की पनी तक नहीं निकाल रहे और उनका रोपण शुरू कर दिया गया है। आखिर यह आंख में धूल झोंकने का काम अब कब तक और चलेगा इसे लेकर ग्रामीणों में भी तरह तरह की चर्चाएँ व्याप्त बनीं हुई है।

को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अपनी कारगुजारियों को छिपाने के लिए आपा खोकर जे तथ्य प्रस्तुत करने योजना बना रहे हैं उसमें प्रभावित गांव का एक भी आदमी शामिल नहीं है। कनेक्शन गांव के लोगों ने अपना नाम उजागर करने की शर्त पर स्पष्ट किया है कि इस खदान के कारण हम लोगों के हित प्रभावित हो रहे

बचाव को लेकर भेज रहे हैं तथा मवेशियों को चरने जाने
 भ्रामक जानकारी- मजेदार तो वाले सार्वजनिक रास्तों और
 विषय तो यह बना हुआ है कि निस्तार करने वाले साधन
 खदान संचालक अपने बचाव प्रभावित हो रहे हैं।